(घ)क्या उक्त समझौते के कारण दूरदर्शन के तकनीकी और गैर-तकनीकी कर्मचारियों में असमानता उत्पन्न हो गई हैं;

(ड.)यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा हैं; और

(च)यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संचार मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज): (क) जी, नहीं।

(ख)प्रश्न नहीं उठता।

(ग)जी, नहीं।

(घ) से (च) प्रश्न नहीं उठते।

प्रसारण क्षेत्र के विस्तार हेतु निधियां जुटाया जाना

1474. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ल**: क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क)क्या देश में प्रसारण क्षेत्र के विस्तार के लिए सरकार द्वारा संसाधन जुटाए जाने की आवश्यकता होगी;

(ख)यदि हां, तो प्रसारण क्षेत्र में इस राशि के निवेश करने के मुख्य चैनल कौन-कौन से हैं;

(ग)क्या सरकार ने इस राशि के निवेशार्थ कोई चरणाबद्ध कार्यक्रम तैयार किया हैं; और

(घ)यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं और इस कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संचार मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज): (क) प्रसारण क्षेत्र का विस्तार एक सतत प्रक्रिया हैं और यह उपलब्ध संसाधनों पर निर्भर करता हैं। प्रसार भारती द्वारा संसाधनों का आन्तरिक रूप से सृजन करके और बजटीय सहायता से प्रसारण क्षेत्र के अधिकांश व्यय की पूर्ति की जाती हैं। सरकार द्वारा इस प्रयोजनार्थ कोई अन्य संसाधन जुटाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं हैं।

(ख)से (घ) प्रश्न नहीं उठते।

हिसार में आकाशवाणी केन्द्र का निर्माण कार्य

1475. **श्री रामजीलाल**: क्या सूचना और प्रसारण मंत्री दिनांक 23 जुलाई, 1996 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 914 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क)क्या हिसार में निर्माणधीन आकशवाणी केन्द्र तथा चर्खी-दादरी में दूरदर्शन के दो अल्प शक्ति ट्रांसमीटर लगाने का कार्य पूरा हो गया हैं

(ख)यदि हां, तो क्या इन केन्द्रों के लिए पर्याप्त कर्मचारी उपलब्ध करवाए गए है;

(ग)यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और निर्माण कार्य संबंधी कार्य को कब तक पूरा कर लिया जाएगा और कर्मचारी कब तक उपलब्ध करवा दिए जाएंगे; और

(घ)क्या रोहतक दूरदर्शन केन्द्र को कर्मचारी उपलब्ध करा दिए गए हैं और क्या इस केन्द्र ने काम करना शुरू कर दिया हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संचार मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज): (क) जी, हां। कुछ लघु निर्माण कार्य के अलावा आकाशवाणी केन्द्र, हिसार का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया हैं। चर्खी-दादरी मे दो, अल्प शक्ति टी.वी. ट्रांसपोर्ट की स्थापना का कार्य भी पूरा नहीं लिया गया हैं।

(ख)और (ग) आकाशवाणी केन्द्र, हिसार के लिए स्टाफ पहले स्वीकृत किया जा चुका हैं और जुलाई, 1998 के अन्त तक इस केन्द्र के चालू किए जाने के लिए तैयार हो जाने की आशा हैं। रंडियो केन्द्र को चालू किए जाने की वास्तविक तिथि से एक माह पहले स्टाफ तैनात किया जाएगा। जहां तक दूरदर्शन का संबंध हैं, चर्खी-दादरी स्थित अल्प शक्ति टी.वी. ट्रांसमीटरों के लिए आंशिक स्टाफ स्वीकृत कर दिया गया है और स्टाफ को तैनात करने संबंधी कार्यवाही शुरू कर दी गई हैं।

(घ) रोहतक स्थित अल्प शक्ति टेलीविजिन ट्रांसमीटर से इस परियोजना हेतु स्वीकृत आंशिक स्टाफ की सहायता से अंशकालिक प्रसारण पहले ही शुरू कर दिया गया हैं।

हिसार में टी.वी. स्टूडियो / उच्च शक्ति ट्रांसमीटर (एच.पी.टी.)

1476. **श्री रामजीलाल :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री दिनांक 30 जुलाई, 1996 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1514 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा कोंगे कि:

(क)हिसार में बनाया जाने वाला टी.वी. स्टूडियो और उच्च शक्ति ट्रांसमीटर लगाने का काम कब शुरू होने की संभावना हैं और इसे कब तक पूरा कर लिया जाएगा;

(ख)इस संबंध में विलम्ब के क्या कारण हैं; और

(ग)इस में और अधिक विलम्ब न हो इसके लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संचार मंत्री(श्रीमती सुषमा स्वराज): (क) से (ग) हालांकि हिसार में टी.वी. स्टूडियो की स्थापना संबंधी स्कीम को नवम्बर, 1997 में स्वीकृत कर दिया है तथापि, उच्च शक्ति ट्रांसमीटर सम्बन्धी स्कीम अभी स्वीकृत की जानी हैं। ऐसी स्कीमों की स्वीकृति और कार्यान्वित संसाधनों, आधारभूत संविधाओं की उपलब्धता और पारस्परिक प्राथमिकताओं आदि पर निर्भर होता हैं। इस प्रकृति की परियोजनाओं को पूरा करने के लिए समय-सीमा, कार्य शुरू किए जाने के बाद 3-4 वर्ष होगी।

Survey regarding harmful effect of programmes on Indian Culture

1477. DR. C. NARAYANA REDDY: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether any survey has been conducted on the harmful effects on the Indian Culture caused by certain programmes with excess of nudity and violence telecast by some of the private TV channels; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND THE- MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Separate channel for telecasting programmes for children

1478. DR. C. NARAYANA REDDY: Will the Minister of INFORMATION & BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government propose to consider the desirablity of providing a separate channel under Doordarshan for telecasting programmes for children; and

(b) if not, whether an adequate chunk will be allotted in the Doordarshan for telecasting programmes for children?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): (a) No such proposal is under consideration of Prasar Bharti at present.

(c) A large number of programmes for children are already being telecast by Doordarshan in its National Network and from its various Regional Kendras.

Punjabi programmes on AIR /Doordarshan

1479. SHRI KARTAR SINGH DUGGAL: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether any pre-determined quantum of programmes are designed to cater to the minority interests from AIR and Doordarshan Delhi;

(b) whether there is any scope for starting a Punjabi News bulletin on lines of Urdu news bulletin from Doordarshan Delhi; and

(c) the quantum of Punjabi programmes put across by All India Radio and Doordarshan Delhi and whether it is commensurate with the proportion of Pubjabi speaking people in the region?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) All India Radio, Delhi broadcasts 90 minutes Punjabi programmes daily including two composite programmes of 30 minutes each and 3 news bulletins of 10 minutes each. Doordarshan Kendra, Delhi telecasts a weekly programmes "Punjabi Darpan" of 30 minutes on every Friday which is also carried by Low Power Transmitters all over the country. The Kendra also telecasts special programmes on anniversaries and festivals connected with the Punjabi speaking people.